एहसासों का गुलदस्ता

काव्य संकलन

संकलित और संपादित

मनीषा गुप्ता

कविता सूची

- संपादक की कलम से

मोहब्बत

1. लहरें .... -"अनाम" **10**

2. मैं तुझसे मोहब्बत करता हूँ -पवन कुमार मिश्र **12**

3. यूंही बारिश में कई नाम लिखे थे -अनुपम चौबे **14**

4. बस शौक़ है -त्रिश्गुन मिगलानी **15**

5. पल -आशीष हजेला **17**

6. निगाहें जब भी उठती हैं -अनुपम चौबे **18**

7. आँखों की भाषा -पवन कुमार मिश्र **19**

8. वो मिला था उन दिनों में मुझे -अनुपम चौबे **21**

9. सुबह से पानी बरस रहा है -ज्योत्स्ना मिश्रा **23**

तन्हाई

10. तन्हाई में छुपा रहता हूँ -अतुल्या गुप्ता **26**

11. अपना मज़ा है -त्रिशगुन मिगलानी28
12. हर बार मैं खुद को -अनुपम चौबे 29

दर्द

13. आह्वान..... -आलोक प्रसाद 31
14. मैं कैसे मर जाऊँ ? -त्रिशगुन मिगलानी33
15. अम्माँ तुम याद आती हो -ज्योत्स्ना मिश्रा 35
16. आतंक के व्यापारी -पीयूष सहाय 38
17. आख़री संदेश -त्रिशगुन मिगलानी40
18. बस दो पल का सफ़र है -अतुल्या गुप्ता 42
19. बेमौसम की बारिश -ज्योत्स्ना मिश्रा 44
20. वो रंग मंच खयालों के -पीयूष सहाय 45
21. देखा है -आशीष हजेला 47
22. चुपके-चुपके लिखे गए अल्फाज़ -त्रिशगुन मिगलानी48
23. मैं हूँ -ज्योत्स्ना मिश्रा 50

उम्मीद

24. सुबह की पहली किरण	-अतुल्या गुप्ता	54
25. मुद्दत हुई	-आशीष हजेला	56
26. चलो नदी होलें	-ज्योत्स्ना मिश्रा	57
27. आशाएँ	-अतुल्या गुप्ता	59
28. ज़र्रा	-सतीश अग्रवाल	60
29. ऐसा एक दिन आए	-अतुल्या गुप्ता	61
30. कभी तो... कहीं तो..	-पवन कुमार मिश्र	63
31. मशाल	-आलोक प्रसाद	65

-लेखकों का संक्षिप्त परिचय 67

संपादक की कलम से

“एहसासों का गुलदस्ता” हिन्दी कविताओं का एक काव्य संकलन है। सामुहिक एहसासों का गुलदस्ता है यह किताब जिसमें हर कवि ने अपनी अपनी कलात्मकता के अलग अलग ख़ूबसूरत रंग बिखेरे हैं, अपने अलग अलग ढंग से। हर फूल की ख़ुशबू और रंग अलग हैं। यूँ लगता है मानो लिखने वालों की कलम से स्याही नहीं उनके जज़्बात ही बह चले हैं कोरे कागज़ पर। इसमें मोहब्बत है, दर्द है, तन्हाई है पर साथ ही उम्मीद भी है। और उम्मीद पर ही तो दुनिया कायम है।

यूँ तो हर फूल अपनी महक, रंग और ख़ूबसूरती की वजह से खुद में ही बेहद ख़ूबसूरत होता है पर जब बहुत सारे ऐसे फूल मिलकर ख़ुशबू और रंगों का ताल मेल बनाते हैं तो ज़िन्दगी के कोरे कैनवास पर अनायास ही अनमोल तस्वीर उभर आती है। यही है **"एहसासों का गुलदस्ता"**। हमने पूरी कोशिश की है कि इस संकलन में हर लेखक की अपनी छाप और लिखने का तरीका कायम रहे। इसीलिए हमने सारी कविताओं को किसी एक तरह के प्रारूप में नहीं बदला है।

सब लेखकों को हम LOGIHQ की तरफ से आभार प्रकट करते हैं कि उन्होंने इस गुलदस्ते में अपने अपने फूल लगाकर इसे बेशकीमती कर दिया। तो लीजीए, आप भी समझिए हर गुल की बेज़ुबां ज़ुबां !

- मनीषा

(मनीषा गुप्ता
फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर
LOGIHQ ट्रेनिंग एंड पब्लिशिंग प्रा. लिमिटेड
नई दिल्ली)

LOGIHQ

LOG into your Intellectual Happiness in your Quest for life

We Lift You To A Happier Plane